डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2021-23

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

शब्द सारांश

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

वर्ष-07, अंक-42, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए email: ramnema81@gmail.com बुधवार 28 फरवरी 2024

पेज 07

प्रधानमंत्री मोदी ने 41 हजार करोड़ लागत की रेल परियोजनाएं राष्ट्र को की समर्पित

प्रधानमंत्री ने विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन व रेल सुविधाओं की सौगात दी: यादव

- मध्यप्रदेश में 33 से अधिक रेलवे स्टेशनों का होगा पुनर्विकास और मिलेगी 133 रोड ओवर ब्रिज/अंडर पास की सौगात
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं की शिलापट्टिकाओं का किया अनावरण

भोपाल| नगर संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आधुनिक और तेज रेलवे के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 41 हजार करोड़ की लागत से देश के 554 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प और 1500 रोड ओवर ब्रिज/अंडरपास के शिलान्यास, उद्घाटन समर्पण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीहोर से शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 33 से अधिक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में 77 हजार करोड़ रुपए के निर्माण कार्य जारी हैं, प्रदेश में रेलवे सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है, और हमें नई तकनीक और नई व्यवस्थाओं के साथ विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन एवं रेल सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सीहोर जिले की जन आभार यात्रा में शामिल हुए। केन्द्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित किया।

ट्विन सिटी के रूप में विकसित होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग, रोजगार में बढ़ोत्तरी के साथ ही महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग की प्रगति के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। किसी भी योजना के लिए धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी। सीहोर नगर पालिका द्वारा उनके सम्मुख रखे गए प्रस्तावों को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि भोपाल और सीहोर का विकास समन्वित रूप से ट्विन सिटी के आधार पर होगा। दोनों नगरों को जोड़कर आवागमन के साधन, आवासीय परियोजनाएं और रोजगार के अवसरों के समग्र विकास की योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। उज्जैन-इंदौर, उज्जैन-देवास, भोपाल-विदिशा, भोपाल-सीहोर-रायसेन जिले अमृत काल में 2047 तक ट्विन सिटी के रूप में विकसित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आगामी वर्षों में देश चहुंमुखी विकास करेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास और प्रगति से दुनिया में देश का नाम स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि धारा 370 की समाप्ति और मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति बड़ी उपलब्धियां है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी वर्षों में देश चहुंमुखी विकास करेगा, अंतरिक्ष में और अधिक उपलब्धियों के साथ ही गरीबों और महिलाओं के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आएगा।

गजल गायक पंकज उधास नहीं रहे: पैंक्रियाज कैंसर से जूझ रहे थे

मुंबई एजेंसी। मशहूर गजल गायक पंकज उधास का आज 72 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन की जानकारी उनकी बेटी नायाब ने सोशल मीडिया पर दी है। गजल सिंगर जैज़िम शर्मा ने दैनिक भास्कर को बताया कि वे पैंक्रियाज कैंसर से जूझ रहे थे। सांस लेने में तकलीफ होने पर उन्हें 10 दिन पहले मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। जहां सोमवार सुबह 11 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। पंकज के परिवार में पत्नी फरीदा और दो बेटियां नायाब और रेवा हैं। पंकज उधास का पार्थिव शरीर फिलहाल अस्पताल में ही रखा गया है। उनके भाइयों और परिवार के दूसरे लोगों के पहुंचने पर पार्थिव शरीर घर ले जाया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा।

काफी समय से चल रहे थे बीमार

देश के सबसे बुजुर्ग सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क का निधन

मुरादाबाद एजेंसी। देश के सबसे बुजुर्ग सांसद डा. शफीकुर्रहमान बर्क का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। वह लंबे समय से मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती थे। सांसद के पोते जियाउर्रहमान बर्क ने अनुसार 93 वर्षीय शफीकुर्रहमान बर्क की अचानक तबीयत बिगड़ी जिसके बाद उन्हें मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गय था। उनका राजनैतिक सफर 60 वर्षों से अधिक का था। हाल ही में अखिलेश यादव ने उन्हें अपनी पार्टी से लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी घोषित किया था। मंगलवार सुबह शफीकुर्रहमान बर्क को आईसीयू में ले जाया गया। जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। 94 वर्षीय डॉ बर्क देश के सबसे अधिक उम्र के सांसद थे।

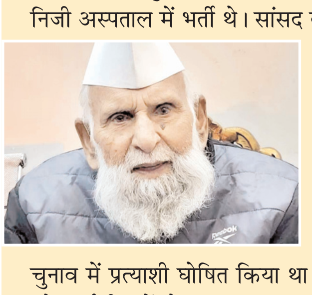

सत्ता में आए तो अग्निपथ योजना खत्म कर पुरानी व्यवस्था लाएंगे

खड़गे ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया कि करीब दो लाख नौजवानों के साथ न्याय किया जाए जिनका चयन सेना की नियमित सेवा में होने की बावजूद उनकी भर्ती नहीं की गई। उन्होंने दावा किया कि सरकार द्वारा इनकी भर्ती रोककर अग्निपथ योजना लाई गई जिसके कारण इन युवाओं को पीड़ा झेलनी पड़ रही है। कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि अगर उनकी सरकार बनी तो अग्निपथ योजना को वापस लिया जाएगा और पुरानी व्यवस्था बहाल होगी। खड़गे ने पत्र में लिखा, हाल ही में मैं इन नौजवानों से मिला। उन्होंने मुझे बताया कि 2019 और 2022 के बीच लगभग दो लाख अभ्यर्थियों को सूचित किया गया था कि उन्हें तीनों सशस्त्र सेवाओं- सेना, नौसेना और वायु सेना में चयनित कर लिया गया है। इन युवाओं ने कठिन मानसिक और शारीरिक परीक्षण तथा लिखित परीक्षा पास करने के लिए कड़ा संघर्ष किया था। खड़गे ने लिखा, 31 मई 2022 तक उन्हें विश्वास था कि उन्होंने अपने सपने पूरे कर लिए हैं और उन्हें केवल अपने नियुक्ति पत्र का इंतजार था।

ईडी को भाव नहीं दे रहे सीएम केजरीवाल, 7वें नोटिस पर दिया कानून का हवाला

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ईडी को बिलकुल भाव नहीं दे रहे हैं। उन्होंने सातवीं बार ईडी के नोटिस को दरकिनार करते हुए कानून का पाठ पढ़ा दिया है। केजरीवाल ने ईडी को एक बार फिर कोर्ट के फैसले का इंतजार करने की सलाह देते हुए ईडी से सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल ने एक-दो बार नहीं बल्कि सात बार ऐसा किया है। आप ने कहा कि दिल्ली के सीएम और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज ईडी के पास नहीं जाएंगे। मामला कोर्ट में है और अगली सुनवाई 16 मार्च को है। ईडी को रोजाना समन भेजने के बजाय कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। हम इंडिया गठबंधन नहीं छोड़ेंगे। मोदी सरकार को इस तरह दबाव नहीं बनाना चाहिए।

वैज्ञानिक अपना काम कर रहे हैं और सफलता भी मिल रही

थोड़ा इंतजार कीजिए: चंद्रयान के बाद अब इंसान को भी चांद पर उतारेगा इसरो

श्रीहरिकोट एजेंसी। अंतरिक्ष शोध में दुनिया को लोहा मनवा चुका इसरो अब इंसानों को चांद पर भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वैज्ञानिक अपना काम कर रहे हैं और सफलता भी मिल रही है। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने ऐसे संकेत दिए हैं। हालांकि, उन्होंने इसके लिए 2040 का जिक्र किया है। सोमवार को उन्होंने चांद पर इंसान को भेजने की प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोमनाथ ने कहा, हमें स्पेस में जीरो ग्रैविटी वातावरण के लिए एक टेक्नोलॉजी साइंस मैप तैयार करना होगा। जब हम गगनयान मिशन के जरिए उन प्रयोगों के बारे में सोचते हैं, जो हम करना चाहते हैं। कम से कम पांच लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। मेरे लिए वो बहुत ज्यादा रोमांचित करने वाला प्रयोग नहीं है। इस मिशन के साथ-साथ हमें चांद के मिशन के लिए भी क्षमताओं का विस्तार करना होगा।उन्होंने कहा कि हमारी पहुंच चांद तक भी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अंत में हम यही चाहते हैं कि साल 2040 तक एक भारतीय व्यक्ति चांद की सतह पर लैंडिंग करे। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि चांद का यह मिशन ऐसे ही अचानक से नहीं होगा और इसे पूरा करने के लिए कई अभ्यास मिशनों से गुजरना होगा। उन्होंने कहा, यह कम खर्च का काम नहीं होने वाला है। इंसान को चांद पर भेजने के लिए। हमें लॉन्चिंग की क्षमता, लैब और सिम्युलेशन सिस्टम विकसित करने होंगे। ये सब एक बार में तैयार नहीं होता है।

संपादकीय

नकल के ठेकेदार

प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली रोकने के तमाम उपाय नकल के धंधेबाजों के आगे विफल नजर आते हैं। अब उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा में नकल कराने वालों ने सेंधमारी कर ली। आखिरकार सरकार को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। पर्चा बाहर होने से परीक्षार्थी नाराज थे, विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि छह महीने के भीतर दुबारा परीक्षा कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि परीक्षाओं में शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। युवाओं की मेहनत के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे। इस सेंधमारी की जांच विशेष कार्यबल को सौंप दी गई है। हालांकि कुछ परीक्षा केंद्रों से ऐसे लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जो पर्चा हल कर भीतर भेज रहे थे। मगर हर बार की तरह यह सवाल अनुत्तरित ही रह जाता है कि आखिर प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र बाहर हुआ कैसे। आजकल ज्यादातर परीक्षाएं चाक-चौबंद कंप्यूटर केंद्रों पर होने लगी हैं। जो परीक्षाएं इस तरह नहीं होतीं, उनमें प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं रखने की जगहों तथा परीक्षा केंद्रों पर सख्त निगरानी रखी जाती है। मगर विचित्र है कि उत्तर प्रदेश पुलिस खुद पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्रों की सुरक्षा नहीं कर पाई। यह कोई पहली प्रतियोगी परीक्षा नहीं है, जिसके पर्चे परीक्षा शुरू होने से पहले बाहर आ गए। अब तो जैसे यह सिलसिला-सा बन चुका है कि जब भी कोई प्रतियोगी परीक्षा होती है, उसमें नकल कराने वाले सेंध लगाने का उपाय तलाश ही लेते हैं। हर राज्य इस समस्या से ग्रस्त है। यहां तक कि जो परीक्षाएं कंप्यूरीकृत प्रणाली से होती हैं, उनमें भी ऐसी गड़बड़ी देखी गई है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस तरह परीक्षा रद्द होने से विद्यार्थियों को कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। न केवल परीक्षा की तैयारी में लगी उनकी मेहनत बर्बाद जाती है, बल्कि बहुत सारे विद्यार्थी तो जैसे-तैसे जुगाड़ करके परीक्षा का शुल्क अदा करते और फिर परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने का बंदोबस्त करते हैं। इनमें हजारों ऐसे छात्र होते हैं तो जमीन, जेवर वगैरह गिरवी रखकर परीक्षा के लिए पैसे का इंतजाम करते हैं। पुलिस भर्ती के लिए महीनों वर्जिश करके खुद को तैयार करते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में पचास हजार पदों के लिए करीब पचास लाख युवाओं ने आवेदन किया था। हालांकि राज्य सरकार ने परीक्षार्थियों से दुबारा आवेदन शुल्क न लेने और परीक्षा के लिए राज्य परिवहन की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा देने का वादा किया है। मगर नकल माफिया के सक्रिय रहते परीक्षा में पारदर्शिता का भरोसा कैसे किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि उसने अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं। पुलिस भर्ती में वर्षों से चली आ रही धांधली को खत्म कर पारदर्शिता लाई गई है। मगर नकल पर नकेल कसने में वह विफल कैसे साबित हो रही है! ऐसा नहीं माना जा सकता कि परीक्षाओं को सेंधमारों से पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता। लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं ऐसे धंधेबाजों की पहुंच से दूर बनी हुई हैं। उसी तरह राज्य स्तरीय और अधीनस्थ कर्मचारी चयन की परीक्षाओं को क्यों अभेद्य और पारदर्शी नहीं बनाया जा सकता।

क्या इंडिया गठबंधन भाजपा के लिये चुनौती बनेगा?

ललित गर्ग

अंधेरों एवं निराशा के गर्त में जा चुके एवं लगभग बिखर चुके इंडिया गठबंधन के लिए कुछ अच्छी खबरों ने जहां उसमें नये उत्साह का संचार किया है वहीं भारतीय जनता पार्टी के लिये चिन्ता के कारण उत्पन्न किये हैं। पहले उत्तर प्रदेश और फिर दिल्ली में समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी से सीट बंटवारे पर बनी सहमति ने टूट की कगार पर पहुंचे इंडिया गठबंधन में वर्ष 2024 के आम चुनावों को लेकर संभावनाभरी तस्वीर को प्रस्तुत किया है। अब ये चुनाव दिलचस्प होने के साथ कुछ सीटों पर कांटे की टक्कर वाले होंगे। इन नये बन रहे चुनावी समीकरणों के बावजूद भाजपा के लिये अभी कोई बड़ा संकट नहीं दिख रहा है।

भले ही इंडिया गठबंधन ढ़ींगे हांके कि वह भाजपा एवं उसके गठबंधन के लिए कड़ी चुनौती पेश करने की स्थिति आ गयी है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का जब गठबंधन बना तभी यह आशंका की गयी कि यह कितनी दूर चल पायेगा, टिक पायेगा भी या नहीं? कुछ हालात तो ऐसे भी बने कि इसके तार-तार होने की संभावनाएं बलवती हुई। भले ही अब कुछ सीटों पर दलों के बीच सहमति बनी हो लेकिन अभी कई महीने निकल जाने के बाद भी विधिवत रूप से इंडिया गठबंधन के संयोजक का नाम घोषित नहीं हो पाना अनेक सन्देहों एवं अटकलों का कारण बना हुआ है। सत्ता तक पहुंचने के लिए जिस प्रकार दल-टूटन व गठबंधन हो रहे हैं इससे सबके मन में अकल्पनीय सम्भावनाओं की सिहरन उठती है। राष्ट्र और राष्ट्रीयता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगा है। कुछ अनहोनी होगी, ऐसा सब महसूस कर रहे हैं। प्रजातंत्र में टकराव होता है। विचार फर्क भी होता है। मन-मुटाव भी होता है पर मर्यादापूर्वक। लेकिन अब इस आधार को ताक पर रख दिया गया है। राजनीति में दुश्मन स्थाई नहीं होते। अवसरवादिता दुश्मन को दोस्त और दोस्त को दुश्मन बना देती है। यह भी बड़े रूप में देखने को मिल रहा है। राजनीति नफा-नुकसान का खेल बन रहा है, मूल्य बिखर रहे हैं।

चारों ओर सत्ता की भूख बिखरी है। पिछले कुछ समय से इंडिया गठबंधन को एक के बाद एक कई झटके लगे। पहले तो कांग्रेस ने ही पिछले साल दिसंबर के विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद में गठबंधन से जुड़ी बातचीत को ठंडे बस्ते में डाले रखा। बातचीत शुरू भी हुई तो नेताओं में न तो पहले जैसा जोश दिखा और न वैसी राजनीतिक जिजीविषा महसूस हुई। फिर गठबंधन के प्रस्ताव पर सबसे बढ़-चढ़कर काम करने वाले नीतीश कुमार ही उसे छोड़ गए। यूपी में रालोद के जयंत चौधरी भी इंडिया गठबंधन का हाथ थामते-थामते एनडीए में शामिल हो गए।

इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस ने अनेक झटके झेले। छोटे-बड़े नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला भी तेज हुआ। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का नाम खास तौर पर चर्चित रहा। इसे चाहे इन नेताओं का व्यक्तिगत अवसरवाद कहें या भाजपा और एनडीए नेतृत्व की सक्रियता एवं राजनीतिक कौशल इतना तय है कि इन नेताओं को कांग्रेस का भविष्य खास अच्छा नहीं दिख रहा।

आम आदमी पार्टी एवं समाजवादी पार्टी जैसे दल अपनी साख बचाने एवं सत्ता के करीब बने रहने के लिये सीटों के बंटवारे पर सहमत हुए है, उसमें कांग्रेस का घूटने टेकना भी उसकी टूटती सांसों को बचाने की जद्दोजहद ही कहीं जायेगी। कांग्रेस एवं अन्य दलों के बीच सहमति के स्वर उभरने से आगामी लोकसभा चुनाव में अच्छा मुकाबला दिख सकता है। लेकिन अहम सवाल तो यही है कि क्या गठबंधन की गाड़ी आगे और हिचकोले नहीं खाएगी? क्या यह दावा पूरी दृढ़ता से किया जा सकता है?

अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस से सीटों पर सहमति बनाकर पलटूराम ही बने हैं। जी-भरकर एक-दूसरे को कोसने वाले जब हाथ मिलाए तो आश्चर्य होना स्वाभाविक है। देखा जाये तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन होना मूल्यहीनता एवं सिद्धान्तहीनता की चरम पराकाष्ठा है क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ लड़ कर और आंदोलन खड़ा करके ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब की सत्ता से कांग्रेस को बाहर किया और अपनी स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई। आम आदमी पार्टी के चमत्कारिक प्रदर्शन के चलते ही गुजरात में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी ने गोवा में भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुँचाया और हरियाणा में भी अपने संगठन का आधार बढ़ाया। ताजा कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी की सहमति से कांग्रेस को ही नुकसान होना है। केजरीवाल की बजाय ममता बनर्जी ने अलग छाप छोड़ी है। उसने बंगाल में कांग्रेस के लिए उनकी मौजूदा दो लोकसभा सीटों को ही छोड़ने की बात कह कर कांग्रेस के अधिक सीटों पर दावा करने के कारण स्वतंत्र चुनाव लड़ने की घोषणा कर गठबंधन को धराशायी किया। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि त्रिपुरा, असम और गोवा में भी स्वतंत्र चुनाव लड़ने की बात कह रही हैं, जिससे कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में निराशा ही हाथ लगेगी। इंडिया गठबंधन के नये बन रहे सकारात्मक परिदृश्यों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीतिक सेहत पर कोई असर न झलकना उनकी राजनीतिक परिपक्वता की परिचायक है। 2024 के चुनावों में भाजपा के लिए 370 और एनडीए के लिए 400 सीटों का लक्ष्य तय करने के मोदी के लक्ष्य के सामने अभी भी कोई बड़ी चुनौती दिख नहीं रही है। इन बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाजपा एवं मोदी अपनी सीटें कहां से बढ़ा सकेंगे, इसके लिये भाजपा दोतरफा रणनीति पर काम कर रही है। पहली है, दक्षिणी राज्यों में पैठ बनाना। यह स्वाभाविक भी है क्योंकि भाजपा पहले ही उत्तर-पश्चिम के कई राज्यों में चरम पर पहुंच चुकी है। दूसरी रणनीति है पुराने सहयोगियों को एनडीए में वापस लाने और नए सहयोगियों को जोड़ने की, जिसमें वह अब तक काफी हद तक सफल भी रही है। जदयू एनडीए के साथ फिर से आ गई है, रालोद भी एनडीए में लौट आई है, पंजाब में अकाली दल को वापस लाने के प्रयास जारी हैं और तेदेपा के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। कुछ और पार्टियां एनडीए में शामिल हो सकती हैं। लेकिन एनडीए के विस्तार भर से भाजपा को 2024 में 370 सीटें नहीं मिलने वालीं। अभी उसे काफी जोड़-तोड़ करने होंगे।

धारा 370 का भूत सियासत से पर्दे तक

लेखक राकेश अचल

धारा 370 यानि आर्टिकल 370 अब एक मृत शब्द है । जम्मू -कश्मीर के बूट से जुड़ी ये धारा यानि आर्टिकल अब सियासत और रजतपट दोनों पर एक साथ उभर रहा है । रजतपट पर आर्टिकल 370 को देश में कामयाबी मिलती दिखाई दे रही है लेकिन खाड़ी के देशों ने आर्टिकल 370 के प्रदर्शन पर पाबंदी लगा दी है। जबकि बेचारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी लगातार खाड़ी के देशों से गलबहियां बढ़ाने में लगे हैं। दरअसल ये धारा 370 कांग्रेस को जितनी प्रिय थी उतनी ही भाजपा को भी प्रिय हो गयी है ।

भाजपा की सरकार ने जम्मू-कश्मीर से संविधान की धारा 370 को हटाने के लिए दशकों तक तैयारी की थी तब कहीं जाकर पांच साल पहले भाजपा का ये सपना पूरा हो पाया। जम्मू-कश्मीर के लोग भी धारा 370 को धीरे-धीरे भूलने लगे थे लेकिन अचानक भाजपा ने आगामी लोकसभा के लिए 370 सीटें जीतने का लक्ष्य तय कर इस धारा 370 के भूत को एक बार फिर ज़िंदा कर दिया। भाजपा से लगाव रखने वाले रजतपट ने भी लगे हाथ बहती गंगा में हाथ धोने के लिए आर्टिकल 370 नाम से एक फिल्म बना डाली।

एक मरी हुई धारा से अमरत्व हासिल करने के भाजपा के फार्मूले को कम से कम मै तो नहीं समझ पाया ,लेकिन एक बात साफ़ हो गयी है कि भाजपा को गड़े मुर्दे उखाड़ने में जितना मजा आता है उतना किसी और राजनीतिक दल को नहीं आता। भाजपा पिछले दस साल से भले ही बहुमत के साथ सत्ता में है किन्तु उसके सिर से न पंडित जवाहरलाल नेहरू का भूत उतरा और न इंदिरा गाँधी का । राजीव गांधी का भूत उतरा न राहुल गांधी का। कांग्रेस का भूत तो उतरने का सवाल ही नहीं । अब भाजपा के सिर पर धारा 370 का भूत सवार हो गया है। भाजपा इस 370 के आंकड़े को लगता है अपने लिए शुभ मानती है और इसीलिए लोकसभा में अपने गठबंधन के लिए 400 किन्तु अपने लिए 370 सीटें हासिल करना चाहती है। भाजपा की देखादेखी सिनेमा बनाने वाले यामी गौतम भी कहाँ मानने वाले थे । वे भी इस आंकड़े को विवेक अग्निहोत्री की तरह दि कश्मीर फ़ाइल की तर्ज पर आर्टिकल 370 बनाकर भुना लेना चाहते थे ,सो उन्होंने भी आनन-फानन में फिल्म बनाकर रिलीज भी कर दी। समय भी सही चुना । लोकसभा चुनाव के ठीक पहले ये फिल्म रिलीज हुई है ताकि देश को एक बार भाजपा द्वारा धारा 370 ; के साथ भाजपा सरकार द्वारा किये गए पुरुषार्थ की याद दिलाई जा सके और जेबें भरी जा सकें। इसमें कोई बुराई भी नहीं है। सियासत का पिछलग्गू बनने से नुक्सान कम ही होता है । विवेक अग्निहोत्री इसका उदाहरण है । बन्दे ने दि कश्मीर फाइल बनाकर जमकर कमाई की थी। किन्तु यामी गौतम का भाग्य विवेक अग्निहोत्री के भाग्य जैसा नहीं है। यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 दो दिन पहले यानी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है । फिल्म रिलीज के तीसरे दिन रविवार को यामी और उनके प्रशंसकों के लिए परेशान करने वाली खबर सामने आई। इस फिल्म को खाड़ी देशों में रिलीज करने से इनकार कर दिया गया है ।यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 से पहले ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की एक्शन-थ्रिलर फिल्म फाइटर को भी खाड़ी देशों में बैन कर दिया था ।मैंने तो ये फिल्म देखी नहीं है किंतु इसके बारे में पढ़ा जरूर है ।ये फिल्म कश्मीर घाटी के हालात को बयां करती नजर आ रही है। इतना ही नहीं आर्टिकल 370 को हटाने में किस तरह के प्रयास और जटिलताएं सामने आईं इसकी एक झलक भी देखने को मिल रही है। ऐसे में खाड़ी देशों में फिल्म आर्टिकल 370 को बैन करना कहीं न कहीं हिंदी सिनेमा के लिए बड़ा झटका है।

पिस्तौल लहराने संबंधी वीडियो के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हरदा। शब्द सारांश

कुछ दिन पूर्व व्हाट्सएप पर वायरल हो रहे वीडियो मे हाथ में पिस्तौल लिए दिख रहे व्यक्ति पूनम ऊर्फ कल्लू बिसनोई निवासी मांदला को छीपावड़ पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे निर्देशन में पकड़ लिया गया है। पूनम ऊर्फ कल्लू बिश्नोई द्वारा बताया गया है कि कुछ दिन पहले उसके दोस्त दीपक यादव निवासी मांदला के पास एक देशी पिस्तौल रखी थी जिसको लेकर मैंने वीडियो बनाया था। थाना छिपाबाड़ पुलिस द्वारा सोमवार को दीपक पिता भागीरथ यादव उम्र 25 वर्ष निवासी मांदला को बस स्टैंड मांदला के पास से अभीरक्षा में लेकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दीपक यादव को पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया एवं उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 83/24 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी निकिता विल्सन, उप निरीक्षक पुरुषोत्तम गौर, सहायक उपनिरीक्षक के. के. दीक्षित, सहायक उपनिरीक्षक मनोहरी राय, प्रधान आरक्षक सुनील बघेल, आरक्षक रविंद्र व नवीन कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हरदा पुलिस ने हत्या के आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरदा। शब्द सारांश

ग्राम सोनतलाई में 25 फरवरी को मृतक सोहनलाल पिता हरचन्द जाट उम्र 46 साल निवासी ग्राम सोनतलाई का शव उसके खेत पर मिला। पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे के निर्देश पर थाना प्रभारी हंडिया द्वारा प्रकरण में अपराध क्रमांक 40/24 धारा 302, 201, 34 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान 26 फरवरी को मुखबिर सूचना तंत्र मजबूत कर सूचना प्राप्त होने पर टीम गठित कर ग्राम संदलपुर से ग्राम बैड़ी थाना खातेगांव जिला देवास निवासी आरोपीगण नरेन्द्र गौड़ पिता देवसिंह नर्रे उम्र 33 साल व तरूण पिता इश्वर नर्रे उम्र 19 साल को गिरफ्तार कर एक देशी पिस्टल, 2 जिंदा कारतूस, 1 खाली कारतूस व एक मोटर साइकिल जप्त की गई। इस कार्य में थाना प्रभारी टिमरनी सुशील पटेल, थाना प्रभारी हंडिया अनिल गुर्जर, सहायक उप निरीक्षक नानकराम कुशवाह, प्रधान आरक्षक 77 तरूण नागले, प्रधान आरक्षक 200 दीपक इवने, प्रधान आरक्षक 191 भीम सिंह, आरक्षक 86 नितेश कुशवाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र टिमरनी में दिया अग्नि शमन यंत्र संचालन प्रशिक्षण

हरदा। शब्द सारांश

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टिमरनी में मंगलवार को आशीष साकल्ले ने अधिकारी कर्मचारियों को अग्निशमन यंत्र के संचालन संबंधी प्रशिक्षण दिया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में अग्निशमन यंत्र संचालन का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये गये है।

86 निराश्रित गौवंश को संरक्षण व आश्रय हेतु गौशाला में स्थानांतरित किया

हरदा। शब्द सारांश

जिला प्रशासन द्वारा विकासखण्ड हरदा के ग्रामों में घुम रहे 86 निराश्रित गौवंश को विकासखण्ड खिरकिया के श्री गुप्तेश्वर गौशाला समिति हरिपुरा चारूवा में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं हरदा डॉ. एस. के. त्रिपाठी ने बताया कि कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देश पर निराश्रित गौवंश को संरक्षण एवं आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत कोलीपुरा, रिजगांव, देवास, हीरापुर, भादूगांव, में घूम रहे निराश्रित गौवंश को श्री गुप्तेश्वर गौशाला समिति हरिपुरा चारूवा में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया है, इनमें 62 गाय, 16 बछिया, 8 बछड़े शामिल है। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि गौशाला में पहुँचाने के पश्चात विभाग के पशु चिकित्सकों द्वारा गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार दिया गया। गौशाला द्वारा उनके खानपान, आहार व पेयजल आदि की व्यवस्था की गई। जिन पशुओं में टेग लगे थे, उनकी पहचान स्थापित की गई तथा जिन पशुओं में टेग नहीं थे, उनमें टेगिंग की कार्यवाही की गई। इस कार्य में राजस्व विभाग, पंचायत विभाग व पुलिस विभाग सहित आम लोगों का सक्रिय योगदान रहा।

जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर व एसपी ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरदा। शब्द सारांश

शासन के निर्देश अनुसार प्रत्येक मंगलवार को नागरिकों की समस्याएं जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत सुनी जाती है। इसी क्रम में जिला पंचायत के सभाकक्ष में कलेक्टर आदित्य सिंह व पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित सिसोनिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। जनसुनवाई में ग्राम मोहनपुर निवासी आवेदक अनुपम व महेश ने कलेक्टर सिंह को बताया कि खेत में जाने वाले रास्ते पर किसानों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर लिया है, जिससे किसानों को कृषि यंत्र लाने ले जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर सिंह ने तहसीलदार हरदा को प्रकरण की जांच कर अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिये।रमाबाई पति महेश निवासी वार्ड क्रमांक 27 हरदा ने जनसुनवाई में कलेक्टर सिंह को आवेदन देकर बताया कि उसे अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है, जिस पर उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरदा को प्रकरण की जांच कर पात्रता अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिये। ग्राम उड़ा निवासी संतोष मेहरा ने कलेक्टर सिंह को आवेदन देकर बताया कि उसका खेत उड़ा में स्थित है तथा खेत में जाने के लिये 15 फीट का निस्तारी रास्ता उसके पूर्वजों के समय से है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जो रास्ता बनाया गया है वह काफी ऊँचा है, जिससे मुझे मेरे खेत में कृषि उपकरण ले जाने में काफी समस्या आ रही है। इस पर कलेक्टर सिंह ने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को प्रकरण की जांच कर समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये।

पालीटेक्निक महाविद्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता

हरदा। शब्द सारांश

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, हरदा में मंगलवार को भारतीय मानक ब्यूरो के तत्वधान में सड़क यातायात सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली'' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मानक क्लब के 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को यातायात सुरक्षा, मानकों एवं गुणवत्ता से जागरुक कराना था। कार्यक्रम का संचार मेंटर एवं अतिथि व्याख्याता सचिन त्रिपाठी, पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा द्वारा किया गया व कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधिकारी श्री विकास भूमरकर, एच.ओ.डी एवं आर.एस.टी. बीआईएस श्री शुभम अग्रवाल उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पृथ्वीराज राठौर एवं कृपांक कुम्भारे, द्वितीय पुरस्कार खुशी केवाट एवं महिमा चंदेला व तृतीय पुरस्कार अदनान खान एवं हर्ष सोनी तथा चतुर्थ पुरस्कार दुर्गेश को दिया गया। सभी विजेताओं को पुरस्कार राशि राशी क्रमश: 1 हजार रूपये, 750 रूपये, पांच सौ रूपये व 250 रूपये प्रदान की गई।

सभी संस्थायें 15 दिवस में अपना फायर सेफ्टी ऑडिट करायें कलेक्टर आदित्य सिंह ने उद्योग संचालकों को दिये निर्देश

हरदा। शब्द सारांश

कलेक्टर आदित्य सिंह ने मंगलवार को जिले के उद्योग संचालकों व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। उन्होने बैठक में उद्योग संचालकों व व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से परिचय प्राप्त कर उनसे समस्याएं व सुझाव प्राप्त किये। बैठक में सभी को निर्देशित किया कि सभी संस्थायें 15 दिवस में अपना फायर सेफ्टी ऑडिट करायें तथा अपने कर्मचारियों को अग्निशमन यंत्र के संचालन संबंधी प्रशिक्षण दिलायें।

उन्होने औद्योगिक क्षेत्र में पानी सप्लाई के लिये स्टीमेट तैयार कराने के निर्देश दिये। उन्होने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मेन्टेनेंस के लिये बिजली बंद कराने के पूर्व सूचना देने के निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिये संयुक्त टीम बनाकर सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने रेल परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण व शिलान्यास किया

हरदा। शब्द सारांश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अनेक रेल परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 41,000 करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 2,000 रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उन्होने मध्यप्रदेश के 33 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए शिलान्यास के साथ ही 133 रोड़ ओवर ब्रिज (आरओबी) एवं अंडरपास का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर खिरकिया रेल्वे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद डी.डी. उइके, विधायक हरदा डॉ. आर.के. दोगने, खिरकिया नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इन्द्रजीत महेन्द्र खनुजा, कलेक्टर आदित्य सिंह व पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे सहित अन्य जनप्रतिनिधि व रेल्वे अधिकारी मौजूद थे।सांसद उइके ने इस अवसर पर कहा कि आज के इस कार्यक्रम के माध्यम से देश में रेल्वे इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक नया युग प्रारम्भ हुआ है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में केन्द्र सरकार द्वारा प्रारम्भ जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। गत वर्षों में करोड़ों गरीब परिवारों को पक्का मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिला है। करोड़ों परिवारों को नि:शुल्क गैस कनेक्शन और स्वच्छ शौचालय की सौंगात मिली है। देश के करोड़ों बेरोजगार नागरिकों को मुद्रा योजना व अन्य रोजगारमूलक योजनाओं में ऋण व अनुदान की सुविधा मिलने से उनके परिवार के आर्थिक स्तर में क्रांतिकारी बदलाव आया है।इस दौरान प्रदेश के जिन 33 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास के लिए शिलान्यास किया गया, उमें जबलपुर और भोपाल रेल मंडल के पाँच-पाँच स्टेशन शामिल हैं। पुनर्विकास के लिए चयनित स्टेशनों में हरदा जिले के खिरकिया सहित सीहोर, जबलपुर, बीना, अशोकनगर, साँची, शाजापुर, ब्यौहारी, बरगवाँ, नरसिंहपुर, पिपरिया, इन्दौर, उज्जैन, मंदसौर, मक्सी, नागदा, नीमच, शुजालपुर, खाचरोद, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खण्डवा, मंडला फोर्ट, नैनपुर, सिवनी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बिजुरी, मुरैना, हरपालपुर, दतिया और भिंड स्टेशन शामिल हैं।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें

हरदा। शब्द सारांश। कलेक्टर आदित्य सिंह ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। उन्होने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी प्रति सप्ताह अपनी निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने मुख्य

चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह को सभी स्वास्थ्य संस्थाओं की सेफ्टी ऑडिट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सुरजनी वर्मा, डिप्टी कलेक्टर संजीव नागू सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 29 फरवरी को विकसित भारत की तर्ज पर विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम में प्रदेश के अनेक विकास कार्यो का लोकार्पण व भूमि पूजन करेंगे। इस अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिये जिन अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है, वे जिम्मेदारी के साथ सौंपे गये कार्यों को पूर्ण करें। बैठक में उन्होने औचक निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय में गंदगी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की और चिकित्सालय में नियमित साफ-सफाई के निर्देश सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा को दिये। उन्होने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को जिले के पेट्रोल पम्पों व खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में पंजीकृत प्रतिष्ठानों को एमएमएसकेवाय एप पर करना होगा लॉगिन

हरदा। शब्द सारांश

प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हरदा ने मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में पंजीकृत सभी प्रतिष्ठानों एवं छात्र प्रशिक्षणार्थियों से अनुरोध किया है कि शीघ्र ही एमएमएसकेवाय एप्लीकेशन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करें। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के तहत सभी प्रतिष्ठान संचालकों अथवा प्रोपराइटरों को एमएमएसकेवाय एप्लीकेशन को गूगल प्ले स्टोर की लिंक से डाउनलोड करना होगा। इसके बाद अपने प्रतिष्ठान अथवा कार्यक्षेत्र की लोकेशन से ऐप को अपने पंजीकृत मोबाइल नम्बर से अनिवार्य रूप से लॉगिन करना होगा ताकि प्रतिष्ठान की जीओग्राफिक लोकेशन एप्लीकेशन में दर्ज हो जाये। इसके बाद उस प्रतिष्ठान में कार्यरत छात्र प्रशिक्षणार्थियों को भी अपने मोबाइल में एमएमएसकेवाय एप्लीकेशन को इंस्टाल कर अपनी पंजीकृत मोबाइल नम्बर से अपने कार्यक्षेत्र की लोकेशन से ही इस एप्लीकेशन को लॉगिन कर नियमित आने व जाने की उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। प्राचार्य आईटीआई हरदा ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत एमएमएसकेवाय एप्लीकेशन पर प्रतिष्ठान की जीओग्राफिक लोकेशन से उपस्थिति दर्ज होना अनिवार्य है, अन्यथा छात्र प्रशिक्षणार्थियों के मासिक स्टायपेंड गणना एवं वितरण में समस्या उत्पन्न हो सकती है। अधिक जानकारी एवं तकनीकी सहायता के लिये जिले के एमएमएसकेवाय नोडल कार्यालय शासकीय आईटीआई हरदा में उपस्थित होकर अथवा मोबाइल नम्बर 9425644576, 9926534319 व 9329192910 पर सम्पर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंडिया में एक्स-रे मशीन की सेवाएं प्रारम्भ हुई

हरदा। शब्द सारांश

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंडिया में सोमवार से एक्स-रे मशीन की सेवाएं प्रारम्भ हुई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचकर मशीन संचालन व्यवस्था का जायजा लिया। डॉ. सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से 300एमए की यह डिजिटल एक्सरे मशीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंडिया को प्राप्त हुई है। इस मशीन का इंस्टालेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। सीएमएचओ डॉ. सिंह ने बताया कि इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंडिया में सप्ताह में एक दिवस के लिये डेन्टल सर्जन डॉ. पीयुष दोगने की भी ड्यूटी लगाई गई है। डॉ. दोगने प्रति मंगलवार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हंडिया में अपनी सेवाएं देंगे, इससे वहां के नागरिकों को डेन्टल चेकअप संबंधी सुविधाएं भी मिलेगी।

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक

फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आडे-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज

डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)

पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर

कम्प्युटर से संबंधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्युटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है

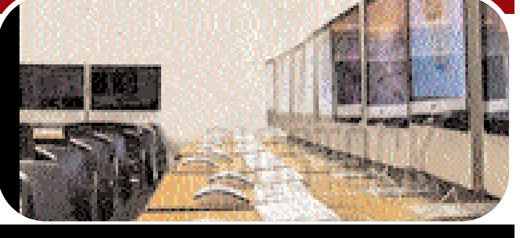

दीपक कुमार नेमा (संचालक)

पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

पीएम ई-बस योजनांतर्गत 6 नगरीय निकायों के लिये 552 ई-बस

विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिये 10,373 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति

राज्य के विभिन्न शहरों में वायुसेवा संचालन के लिये अनुमोदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने मन्दसौर, राजगढ़, सीधी, सिवनी और बालाघाट, जिले की विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के लिये 10,373 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति दी। मंत्रि-परिषद ने मंदसौर जिले में 60 करोड़ 3 लाख रूपये लागत की ताखाजी सूक्ष्म दबाव सिंचाई परियोजना (सैंच्य क्षेत्र 3550.53 हेक्टेयर) की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी। इसी प्रकार राजगढ़ जिले की मोहनपुरा वृहद सिंचाई परियोजना लागत 4666 करोड़ 66 लाख रूपये, (सैंच्य क्षेत्र 1,51,495 हेक्टेयर) की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी।

मंत्रि-परिषद द्वारा सीधी जिले में 4167 करोड़ 93 लाख रूपये लागत की सीतापुर हनुमना माइक्रो सिंचाई परियोजना (सैंच्य क्षेत्र 1,20,000 हेक्टेयर) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इस परियोजना की स्वीकृति के क्रम में प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा के लिये निर्धारित सूचकांक के बंधन से छूट दी गई। परियोजना से रीवा, मऊगंज, सीधी, एवं सिंगरौली जिले के 663 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा। मंत्रि-परिषद ने सिवनी एवं बालाघाट जिले की संजय सरोवर परियोजना (अपर वैनगंगा) के नहरों की विस्तारीकरण, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (ई.आर.एम.) के कार्य के लिये 332 करोड़ 54 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी।

पटवारी बोले- चुन-चुन कर शिवराज के अधिकारी बदले जा रहे

पीसीसी की बैठक में कहा-ये भाजपा का द्वंद्व या एमपी की जनता का हैरेसमेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, पूर्व CM शिवराज के आसपास जो अधिकारी थे या महत्वपूर्ण जगह जो लोग बैठे थे, उन्हें चुन-चुन कर बदला जा रहा है। इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी का द्वंद्व है या मध्यप्रदेश की जनता का हैरेसमेंट है। पीसीसी वॉर रूम में जीतू पटवारी ने रविवार दोपहर को बैठक ली। मीटिंग में पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा वर्चुअल जुड़े। पटवारी ने कहा कि प्रदेश करप्शन का पर्याय बनता जा रहा है। अधिकारियों के ट्रांसफर हो रहे हैं, यह भी करप्शन की भेंट चढ़ रहे हैं। इतनी बड़ी तादाद में रोज ट्रांसफर होना क्या मैसेज देता है?

मोदी की गारंटी के लिए 1 लाख करोड़ रुपए का पैकेज दें-पटवारी ने कहा, मध्यप्रदेश पिछले 30 साल में सबसे भयावह स्थिति में है। मुख्यमंत्री आप इसे संज्ञान में लेकर 100 दिन की कार्ययोजना बनाएं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज प्रदेश में हैं। X पर VIDEO के जरिए मैंने उनसे कहा है कि 1 लाख करोड़ रुपए का स्पेशल पैकेज दें। क्योंकि, 4 लाख करोड़ का हम पर कर्ज हो चुका है और लगभग 40 हजार करोड़ रुपए हर साल हमें सिर्फ ब्याज देना पड़ रहा है। पटवारी बोले, शाह को कहा है कि चूंकि आपने मोदी गारंटी बीच में दे दी है और वोट ले लिए हैं। अगर उन्हें पूरा करना है तो इस बजट में तो पूर्ण नहीं हो सकता। जो आज बजट है, उसमें 3000 रुपए बहनों को देना संभव नहीं है। 3100 रुपए/क्विंटल धान के, 2700 रुपए/क्विंटल गेहूं के देना या 450 रुपए में घरेलू गैस सिलेंडर देना संभव नहीं है। अगर मोदी की गारंटी पूरी करनी है तो 1 लाख करोड़ का पैकेज मध्यप्रदेश को लोकसभा के चुनाव से पहले दें।

रामभक्तों की सेवा का बोला है, इसे पूरा करे सरकार-पटवारी ने शाह से कहा कि आप भारत के गृहमंत्री हैं। आपको प्रबुद्ध जनों से इस भावना को व्यक्त करना पड़ेगा कि जो 2014 में मोदी गारंटी थी, वह भी पूरी नहीं हुई है। लोगों के जीवन में आर्थिक संसाधनों के स्तर पर बदलाव करें। बाकी झूठ बोलकर वोट लेने आए हैं तो धन्यवाद। उन्होंने कहा, राम मंदिर स्थापना की सिर्फ भारतवर्ष में खुशी नहीं है, सिर्फ हिंदू धर्म के परिवार में खुशी नहीं है, ब्रह्मांड में खुशी है। सरकार ने राम के भक्तों की सेवा का बोला है, इसे पूरा करे।

पटवारी के बयान पर भाजपा का पलटवार-पटवारी के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने जवाब देते हुए X पर ट्वीट कर लिखा- जीतू पटवारी जी, यह भाजपा की सरकार है, जहां अपराधों को लेकर सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। आज मध्यप्रदेश शांति का टापू कहा जाता है। अपनी कांग्रेस की सरकार के समय का मध्यप्रदेश याद कर लीजिए... - जब अपराधी मंत्री का गला काटकर ले जाते थे। - जब कुएं में से हथियार मिलते थे। - जब अंधेरा होते ही बहन-बेटियां घर से निकलने में डरती थीं। - जब डाकुओं का प्रदेश के कई हिस्सों में बोलबाला था। - जब नक्सली प्रदेश में सक्रिय थे। - जब चोरी-डकैती-लूट-हत्या-दुष्कर्म की घटनाएं आम बात थी। - आपराधिक गतिविधियों के कारण कई इलाकों में नए उद्योग लगते तक नहीं थे। - कई इलाकों में निवेश आता नहीं था।

भारत मंडपम दिल्ली में दी गई मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की जानकारी

भोपाल। भारत मंडपम दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स-2024 में संचालक कौशल विकास श्री सोमेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की जानकारी दी। उन्होंने टेक्सटाइल/एपेरल सेक्टर के प्रतिष्ठानों को इस योजना से जुड़कर मध्यप्रदेश के युवाओं को प्रशिक्षित करने का आग्रह किया। मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा औपचारिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को पंजीकृत औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ऑन द जॉब ट्रेनिंग की सुविधा देने के लिये मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना प्रारंभ की गई है। वर्तमान में योजना में एक लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। योजना में 18 से 29 वर्ष तक के युवा पात्र होंगे, जो मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी हैं तथा जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं, आईटीआई या इससे उच्च स्तर की है।

भोपाल सिटी लाइव ग्रुप का मंदिर चलो अभियान की बैठक

भोपाल। भोपाल सिटी लाइव ग्रुप की बैठक शनिवार को पंचमुखी हनुमान मंदिर शाहपुरा में आयोजित की गई, जिसमें मंदिर चलो अभियान को लेकर चर्चा हुई। ग्रुप के सदस्यों ने आमजन से अपील की कि सप्ताह में एक दिन मंदिर जरूर जाएं और एक अन्य व्यक्ति को साथ लेकर जाएं। बैठक में इस पर भी चर्चा हुई कि अभियान को आगे बढ़ाने के लिए और क्या किया जा सकता है। ग्रुप के संचालक आनंद शर्मा ने बताया कि अभियान दो वर्ष से चलाया जा रहा है। इस दौरान हम 110 से अधिक मंदिरों में दर्शन कर चुके हैं और अब तक 92000 से अधिक लोगों को ग्रुप से जोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि अभियान में अब और तेजी लाई जाएगी। ताकि सनातन संस्कृति को बचाया जा सके। हमारा प्रयास है कि युवा और बच्चों को इस अभियान से जरूर जोड़ें, क्योंकि यह देश और अपने परिवार का भविष्य हैं। उनमें यह सीख पड़ेगी, तो आने वाली पीढ़ी भी इस मार्ग पर चलेगी।

भोपाल में सैनिक स्कूल रीवा के पूर्व छात्रों का गेट-टू-गेदर

भोपाल। रायसेन रोड स्थित एक निजी होटल में शनिवार को सैनिक स्कूल रीवा के पूर्व छात्रों का गेट-टू-गेदर पार्टी आयोजित की गई, जिसमें सीनियर और जूनियर ने स्टूडेंट एवं हॉस्टल लाइफ को याद किया। पूर्व छात्रों ने पढ़ाई के दौरान होने वाले चुहलपन के किस्से सुनाए। इसके अलावा सैनिक स्कूल रीवा को गौरवान्वित करने वाले छात्रों उपेंद्र द्विवेदी और दिनेश त्रिपाठी को बधाई दी। द्विवेदी वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ और त्रिपाठी वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ नियुक्त हुए हैं। गेट-टू-गेदर में पूर्व छात्रों ने पुराने गाने गाकर महफिल को चार चांद लगा दिए। आलोक त्यागी और अक्षय खरे ने ये रात है प्यासी-प्यासी, प्यासी न गुजर जाए सहित अन्य गाने प्रस्तुत किए, जिन्हें काफी सराहना मिली। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुकेश साहनी रिटायर एसएसपी सीबीआई, आलोक त्यागी, राजेश साहनी रिटायर एसपी आईबी, केके दुबे डायरेक्टर हेल्थ, पीएस दुग्गल, कर्नल पीपी शर्मा, रमन सिंह शाह, अक्षय खरे सपरिवार उपस्थित थे।

भोपाल पंजाबी समाज की बोर्ड मीटिंग संपन्न

भोपाल। भोपाल पंजाबी समाज की बोर्ड मीटिंग होटल पलाश में रविवार को संपन्न हुई। संजीव सचदेव की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में 14 अप्रैल को बैसाखी का पर्व धूमधाम से मनाने की सहमति बनी। यह भी तय किया गया कि होली पर वृद्धाश्रम में जा कर बुजुर्गों को फल, मिठाई, जूस और गिफ्ट वितरित किए जाएंगे। मार्च माह में समाज द्वारा शिव बारात का स्वागत किया जाएगा और श्रद्धालुओं को शरबत पिलाया जाएगा। लेडिज विंग की अध्यक्ष सविता शाह ने बताया कि महिलाओं की मासिक मीटिंग होनी है। जिसमें भोपाल के आसपास के क्षेत्रों से बहनें एकत्रित होती हैं। उन्होंने सभी बहनों को समाज की सदस्यता लेने की अपील की। इस अवसर पर संरक्षक सरदार जसबीर सिंह, सरदार मोहन सिंह कालरा, सरदार परमजीत सिंह चंडोक, पदाधिकारी जेपीएस अरोड़ा, आदर्श महाजन, सचिव इन्दरपाल सिंह गुलाटी, असीम जिंदल, लेडीज विंग की अध्यक्ष सविता शाह, स्वीटी सेठी, गुणवीत कौर के साथ समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में बनायेंगे सर्वश्रेष्ठ राज्य: शुक्ल

एम्स भोपाल में 'वन स्टेट - वन हेल्थ' विचार संगोष्ठी को किया संबोधित

भोपाल| नगर संवाददाता

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचनाओं का सतत विस्तार हो रहा है। चिकित्सालय में अत्याधुनिक सेवाओं के साथ चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में भी नवीन मेडिकल कॉलेज स्थापित किये जा रहे हैं। चिकित्सकीय विशेषज्ञों, मैनपॉवर की उपलब्धता हेतु विभिन्न माध्यमों से प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ज़िला स्तर के साथ प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी विस्तारित और सशक्त किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एम्स भोपाल में वन स्टेट – वन हेल्थ विचार संगोष्ठी को संबोधित किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स भोपाल द्वारा वन स्टेट – वन हेल्थ विचार संगोष्ठी का आयोजन सराहनीय प्रयास है। संगोष्ठी में विशेषज्ञों के मंथन से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के सुझाव मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने में सहायक होंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स भोपाल द्वारा चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करने के विभिन्न आयामों में कार्य किया जा रहा है। एम्स के अनुभव से नि:संदेह मध्यप्रदेश में चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र को लाभ प्राप्त होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के विभिन्न मानकों में सुधार, ग्रामीण चिकित्सा अधोसंरचना और सेवा प्रदाय को सशक्त करने के लिए अंत:क्षेपों में विशेष रूप से मंथन किया जाये। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ) अजय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश वन स्टेट वन हेल्थ पालिसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। एम्स भोपाल ई – कंसल्टेशन और ई – आईसीयू के द्वारा राज्य के दूर दराज़ के इलाकों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराएगा। अपर आयुक्त चिकित्सा शिक्षा डॉ पंकज जैन, सहित संगोष्ठी सहित एम्स के वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षक और अन्य शासकीय तथा निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शिक्षक, चिकित्सक, विशेषज्ञ उपस्थित थे।

रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव 2024 : 169 उद्योगपतियों को 6774 करोड़ की भूमि होगी आवंटित

भोपाल। मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। जिसे इन्हें धरातल पर उतारने के लिए वृहद स्तर पर उज्जैन में आगामी 1 एवं 2 मार्च को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इससे उज्जैन, इंदौर सहित प्रदेश के अन्य जिलों में औद्योगिक विकास के द्वार खुलेंगे। विशेष बात यह है कि इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मौके पर ही 169 उद्योगपतियों को 6774 करोड़ की भूमि आवंटित की जाएगी। उज्जैन में कुल 8000 करोड़ से अधिक के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास होगा। जिससे 12000 से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में भी भूमिपूजन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। उज्जैन कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में अभी तक 662 बायर द्वारा और 2551 सेलर द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया है। रजिस्ट्रेशन अभी जारी हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि बायर और सेलर में प्रमुख रूप से फूड और एग्रो प्रोडक्ट्स, सर्विस सेक्टर, इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, केमिकल एंड एलाइड प्रोडक्ट्स, टेक्सटाइल, प्लास्टिक , हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट, इलेक्ट्रिकल ,जेम एंड ज्वेलरी, रियल एस्टेट, लेदर, स्पोर्ट्स, फिश एंड मरीन प्रोडक्ट्स के सेक्टर शामिल है। देश में आईटी सेक्टर्स के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में यूएसए, फिजी, मंगोलिया के गवर्मेंट डेलीगेशन और जापान, जर्मनी के बिजनेस डेलिगेट्स शामिल होंगे।

प्रदेश के सर्वांगीण विकास और इंडस्ट्री कांक्लेव के सफल आयोजन के लिए सर्वप्रथम भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया जाएगा। भगवान महाकाल को 6.25 क्विंटल लड्डू का भोग लगाया जाएगा। यह विशेष प्रसाद इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में शामिल उद्योगपतियों को भी दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण के साथ उज्जैन के समृद्ध धार्मिक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक महत्व से भी उद्योगपतियों रूबरू होंगे। कालिदास, वराहमिहिर, बाणभट्ट, राजशेखर, पुष्पदंत, शंकराचार्य, वल्लभाचार्य, भर्तृहरि, दिवाकर, कात्यायन और बाण जैसे विविध क्षेत्रों के महान विद्वानों का उज्जैन से जुड़ाव रहा है। राजा विक्रमादित्य ने इस शहर को अपनी राजधानी बनाया। महान विद्वान संस्कृतज्ञ कालिदास राजा विक्रमादित्य के दरबार में थे। उज्जैन का वर्णन स्कंदपुराण में मिलता है और इसे मंगल गृह की उत्पत्ति का स्थान माना जाता है। उज्जैन बड़ा महत्व वैज्ञानिक रूप से काल गणना में इसका केंद्रीय स्थान होने मे भी है। महाकाल के इस केंद्र में स्थित शहर में ज्योतिष की शुरुआत और विकास हुआ। उज्जैन ने भारत और विदेशों को समय की गणना की प्रणाली प्रदान की है। उज्जैन के प्राकृतिक, भौगोलिक और ज्योतिषीय महत्व को समझने की आवश्यकता है।

–इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में शामिल हो रहे उद्योगपतियो और प्रतिभागियों को विशेष किट दी जाएगी। इसमें मध्य प्रदेश शासन की उद्योग फ्रेंडली नीतियों, भूमि बैंक, बुटीक प्रिंट, भगवान महाकाल का विशेष प्रसाद दिया जाएगा। मध्यप्रदेश, भारत के मध्य में स्थित होकर क्षेत्रफल के हिसाब से दूसरा सबसे बड़ा राज्य है और पिछले दशक में 8त्न सीएजीआर पर वार्षिक जीएसडीपी वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य को एक औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने और संभावित निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए पिछले एक दशक सतत् से कार्य किया है।

स्वर्ण पत्र से अलंकृत होगा मां विंध्यवासिनी गर्भगृह

मां विंध्यवासिनी का गर्भगृह स्वर्णपत्र से अलंकृत किया जायेगा। मुम्बई में निवास करने वाले एक प्लास्टिक कारोबारी संजय सिंह जो मूलत: भदोही जनपद के ऊंज थाना में स्थित रघुरामपुर के निवासी है ।अपने पिता रामशिरोमणि सिंह व माता कुसुम सिंह की प्रेरणा से यह कार्य करने जा रहे है । विन्ध्य विकास परिषद की माध्यम से इस कार्य को संपादित किया जायेगा। इस संबंध में सोमवार को डीएम ने अपने कार्यालय में परिषद सदस्यों एवं दानदाता के साथ बैठक की । बैठक के पश्चात परिषद के सचिव नगर मजिस्ट्रेट लालबहादुर, पीडब्लूडी के जेई प्रवीण कुमार व परिषद के सदस्यों का दल मां विंध्यवासिनी मंदिर पहुंचा जहां दानदाता के प्रतिनिधियों के साथ गर्भगृह में पहुंचकर स्वर्णपत्र जड़ित होने वाले स्थान का माप लिया।

पीएम स्वानिधि योजना में 11 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को पहुँचाई गई आर्थिक मदद

भोपाल। प्रदेश में पीएम स्वानिधि योजना के माध्यम से नगरीय क्षेत्र में व्यापार करने वाले पथ विक्रेताओं को राज्य सरकार के नगरीय विकास विभाग द्वारा ब्याज मुक्त ॠण दिया जा रहा है। योजना के माध्यम से अब तक 11 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को कार्यशील पूंजी के रूप में 1588 करोड़ रूपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। इन पथ विक्रेताओं ने सरकार से प्राप्त राशि से अपने व्यापार को और बेहतर किया है। राज्य में चयनित पथ विक्रेताओं को उनकी जरूरत के मुताबित 3 चरणों में ब्याज मुक्त ॠण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश को देश में इस योजना में प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने पीएम स्वानिधि योजना का लाभ प्रदेश के पात्र शहरी पथ विक्रेताओं तक पहुँचाए जाने के निर्देश शहरी निकायों को दिये है। उन्होंने कहा कि इस मदद से शहरी पथ विक्रेताओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

योजना में चरणबद्ध तरीके से पथ विक्रेताओं को 10 हजार, 20 हजार और तीसरे चरण में 50 हजार रूपये तक की कार्यशील पूंजी उपलब्ध करायी जा रही है। चयनित पथ विक्रेताओं को सर्वेक्षण के बाद पहचान पत्र जारी किये गये हैं। प्रदेश में पीएम स्वानिधि योजना के प्रथम चरण में 10 हजार रूपये की ॠण राशि 7 लाख 97 हजार पथ विक्रेताओं को 797 करोड़ रूपये के रूप में, द्वितीय चरण में 20 हजार रूपये तक की ॠण राशि 2 लाख 71 हजार शहरी पथ विक्रेताओं को 542 करोड़ रूपये के रूप में और तीसरे चरण में 50 हजार रूपये की ॠण राशि करीब 50 हजार शहरी पथ विक्रेताओं को 248 करोड़ 53 लाख रूपये ब्याज मुक्त ॠण के रूप में प्रदान की गई है। पीएम स्वानिधि योजना के अंतर्गत प्रदेश में डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में विशेष अभियान चलाकर पथ विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

आयुर्वेद और यूनानी दोनों चिकित्सा पद्धतियों का उद्देश्य है निरोगी काया - आयुष मंत्री परमार

भोपाल। यूनानी चिकित्सा पद्धति; आयुर्वेद से मिलती जुलती प्राचीन प्रचलित चिकित्सा पद्धति है दोनों में उपचार के लिए नैसर्गिक औषधियों का उपयोग किया जाता है और दोनों पद्धतियों का उद्देश्य निरोगी काया है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति में बीमारी होने के बाद उपचार किया जाता है जबकि यूनानी और आयुर्वेद दोनों ही चिकित्सा पद्धति में बीमारी से पूर्व बचाव के साथ रोग उपरांत दोनों का उपचार होता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सोमवार को भोपाल के आयुष परिसर स्थित हकीम सैय्यद जियाउल हसन शासकीय (स्वशासी) यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय के नवीन 180 सीटर महिला छात्रावास भवन के लोकार्पण के अवसर पर कही।

आयुष मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्वमंच पर चिकित्सा पद्धतियों के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय

परंपरागत चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्व के विभिन्न देशों ने हमारे परंपरागत आयुर्वेद पर शोध और दस्तावेजीकरण कर अपना औषधीय स्वरूप सृजित किया है। हमारी आयुर्वेदीय और यूनानी धरोहर के दस्तावेजीकरण के महत्व को समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश में पारंपरिक औषधियों से उपचार करने वालों को प्रशिक्षित कर, उनकी चिकित्सा पद्धति को आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति के साथ जोड़ कर लोगों के जीवन बचाने में उपयोगी नवाचार किए जा सकते हैं। प्रदेश में आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा पद्धति के विस्तार के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है।

आयुष मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालय परिसर में नवीन छात्रावास भवन के शुभारंभ पर छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब बेटियों को सुलभ रूप से आवासीय सुविधा उपलब्ध हो गई है। श्री परमार ने नवनिर्मित महिला छात्रावास भवन में मिलने वाली सुविधाओं का अवलोकन भी किया। ज्ञातव्य है कि नवीन महिला छात्रावास भवन का 5 करोड़ 40 लाख रुपए लागत राशि से लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण किया गया है। नवनिर्मित भवन में 60 कमरे हैं, जिनमें 180 सीट की क्षमता है। इस अवसर पर आयुक्त भोपाल संभाग डॉ पवन शर्मा, आयुक्त आयुष श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर एवं महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. मेहमूदा बेगम सहित विभागीय अधिकारी, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है कुट्टू का आटा

कुट्टू का आटा पोषक तत्वों से भरपूर होने से सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे खाने से डायबिटीज व ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। ऐसे में बेहतर तरीके से शारीरिक विकास होता है। माना जाता है कि यह आटा अनाज के साथ संबंध नहीं रखता है। ऐसे में इसे खासतौर पर व्रत में खाया जाता है। कुट्टू का आटा खाने के कुछ लाजवाब फायदे -

कुट्टू आटे में मौजूद पोषक तत्व

इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन-बी, फॉलेट, जिंक, कॉपर, मैग्नीज, फासफोरस आदि पोषक तत्व होते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल रखे

कुट्टू के आटे में फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके साथ ही इसमें एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से खासतौर पर टाइप 2 डायबिटीज कंट्रोल रहने में मदद मिलती है।

पित्त की पथरी की रोकथाम

कुट्टू में मौजूद प्रोटीन पित्त में मौजूद पथरी के गठन और कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मदद करती है। इसके सेवन से शरीर में फाइल एसिड का निर्माण होने में मदद मिलती है। इसके कारण पित्त पित्त की पथरी से छुटकारा पाया जा सकता है।

ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

आज के समय में ज्यादातर लोग ब्लड की परेशानी से जूझ रहे हैं। ऐसे में ब्लड प्रेशर के मरीजों को कूट्टू के आटे का सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इसमें मैग्नीशियम अधिक मात्रा में होता है। यह रक्तवाहिकाओं को आराम पहुंचाता है। इसतरह ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहने में मदद मिलती है।

दिल रखे स्वस्थ

इसमें मौजूद विटामिन बी, बी6, नियासिन, फोलेट आदि उचित है तत्व शरीर में कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करते हैं। इसमें नियासिन तत्व के कारण एचडीएल कोलेस्ट्रॉल यानी अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल में सुधार आता है। इसतरह रक्त वाहिकाओं को बेहतर तरीके से काम करने की शक्ति मिलती है। ऐसे में शरीर से खराब कोलस्ट्रॉल कम होता है। इससे दिल स्वस्थ रहने व इस संबंधी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में ओवर ईटिंग की परेशानी से बचाव रहने से वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इससे कमजोरी, थकान दूर होकर दिनभर शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

हड्डियों में मजबूती जगाए

कुट्टू के आटे में कैल्शियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटैशियम आदि तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। इसका सेवन करने से हड्डियों और दांतों को मजबूती आती है। ऐसे में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को इसका सेवन करना चाहिए।

महिलाओं को क्यों अधिक आता है वर्टिंगो अटैक ?

रिसर्च के अनुसार, करीब 70% भारतीय महिलाओं को वर्टिंगो अटैक पड़ता है लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते वो इसे नजरअंदाज कर देती हैं। चलिए आपको बताते हैं कि क्या होता है वर्टिंगो अटैक और इससे कैसे निपटा जाए।

क्या होता है वर्टिंगो अटैक?

डॉक्टर्स के मुताबिक, नुसरत को वर्टिंगो अटैक हुआ है, जिसका सबसे बड़ा कारण तनाव होता है। वर्टिंगो का अर्थ है, घूमना या चक्कर आना। इसके कारण जहां कुछ लोगों को चक्कर आते हैं तो वहीं कुछ मस्तिष्क में पीड़ा अनुभव करते हैं। आंखो के सामने अंधेरा छा जाता है और लगता है मानो सारी धरती घूम रही हो।

क्यों आता है वर्टिंगो अटैक?

यह समस्या तब होती है जब व्यक्ति को कान, मस्तिष्क व तंत्रिका मार्ग में कोई बाधा रहती है। मेडिकल भाषा में इसे एक्रोफोबिया भा कहा जाता है। डॉक्टरों के अनुसार, वर्टिंगो अटैक लंबे समय तक रहता व थोड़ी देर भी रह सकता है।

किन लोगों को अधिक खतरा?

- यह समस्या ज्यादातर 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगो में देखने को मिलती है लेकिन तनावभरी जिंदगी के कारण लोग कम उम्र में भी इसका शिकार हो रहे हैं। रिसर्च की मानें तो 15% से 40% लोग किसी भी क्षण वर्टिंगो और डिजिनेस से पीड़ित होते है, जिसमें 70% संख्या महिलाओं की होती है।
- इसके अलावा खून की कमी (एनीमिया) या दिमाग से जुड़ी बीमारी से ग्रस्त लोगों को वर्टिंगो अधिक प्रभावित करता है।

वर्टिंगो के कारण क्या है?

- कान की शिराओ में कैल्शियम कार्बोनेट का कचरा जमा होना
- कान के भीतर संक्रमण
- कान की शिराओ में कैल्शियम कार्बोनेट का कचरा जमा होनामेनियार्स रोग के कारण
- कान की शिराओ में कैल्शियम कार्बोनेट का कचरा जमा होनावेस्टीब्यूलर माइग्रेन
- कान की शिराओ में कैल्शियम कार्बोनेट का कचरा जमा होनालेब्रिथीनाइटिस

वर्टिगो अटैक के लक्षण

- अधिक आवाज आने से सिरदर्द
- चक्कर आना
- अधिक पसीना आना
- जी मचलना, उल्टी होना
- बहुत अधिक कमजोरी महसूस होना
- अस्थिर या असंतुलित महसूस होना
- कम सुनाई देना या कान से सीटी जैसी आवाज आना
- गिरने का एहसास होना

वर्टिंगो का इलाज क्या है?

- सामान्य वर्टिंगो इलाज में इलाज की जरूरत नहीं पड़ती बल्कि रोगी खुद ब खुद ठीक हो जाता है। इस दौरान मरीज को आराम करने की सलाह दी जाती है। हालांकि अगर स्थिति गंभीर हो तो डॉक्टर कुछ एंटीबायोटिक दवाइयां देते हैं।
- सिकनेस, जी मिचलाने व सिरदर्द के लिए डॉक्टर एंटी-इमिटिक्स या एंटी-हिस्टामाइन जैसे दवाएं देते हैं।
- तनाव के कारण चक्कर आने की स्थिति में मरीज को चिकित्सक मनोचिकित्सा थेरेपी दी जाती है।

इसके अलावा आप कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से इस समस्या को दूर कर सकते हैं

- दो-तीन बूंद पेपरमिंट ऑयलमें एक चम्मच बादाम तेल मिलाकर माथे पर और गर्दन के पीछे मसाज करें।
- अदरक के तेल से गर्दन, कानों के पीछे और तलवों पर मसाज करने से भी आराम मिलेगा।
- दो से तीन बूंद ग्रेपफ्रूट ऑयल में डीफ्युजर डालकर कमरे के किसी कोने में रख दें। इसकी खुशबू से मन शांत होगा और आपको यह समस्या नहीं होगी।
- दो से तीन बूंदें तुलसी के तेल में एक बूंद साइप्रस का तेल मिलाकर कमरे में रखें।
- लोबान तेल से कंधों की मसाज करने पर भी वर्टिंगो की समस्या दूर रहेगी। साथ ही इससे तनाव भी कम होगा।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ मे जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पता:- आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. - 9993173191

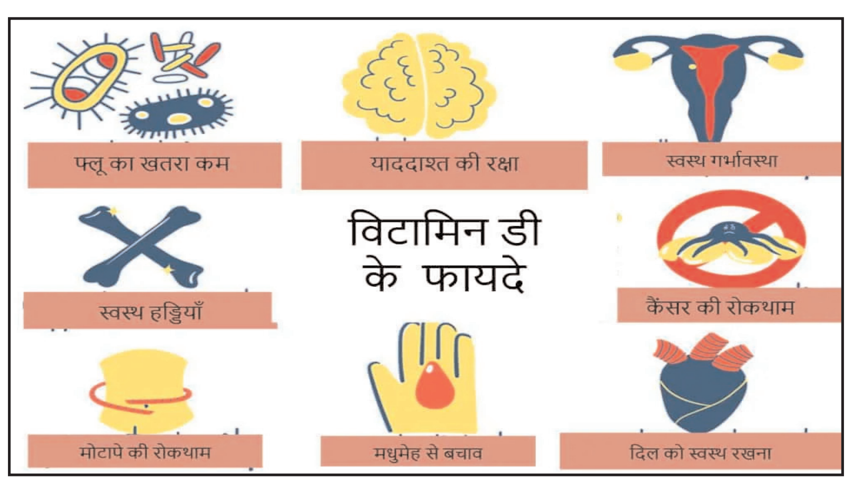

धरने के दौरान खनौरी बॉर्डर पर एक और किसान की मौत

एनएच-44 को धीरे-धीरे खोला जा रहा, किसान अभी भी बॉर्डरों पर डटे

चंडीगढ़ एजेंसी। किसान आंदोलन लगातार जारी है। इसी दौरान खनौरी बॉर्डर पर एक और किसान की मौत के समाचार मिले हैं। बताया जा रहा है कि पटियाला जिले के अरनव गांव के रहने वाले किसान करनैल सिंह की मंगलवार सुबह 3 बजे के करीब मौत हो गई। किसान आंदोलन में शामिल करनैल सिंह को सांस लेने में काफी परेशानी थी और उन्हें पटियाला के राजेंद्र हॉस्पिटल में दाखिल करवाया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। बता दें कि किसान करनैल सिंह पुत्र निहाल सिंह गांव अरनो निवासी जिला पटियाला खनौरी बॉर्डर पर धरने पर बैठे थे। यहां किसानों के धरने का सोमवार को 15वां दिन था। अब धीरे-धीरे हाइवे खोला जा रहा है। किसान जहां हरियाणा के बॉर्डरों पर डटे हुए हैं। वहीं, आम लोगों के लिए भी राहत की खबर है। दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे को हरियाणा के दो जिलों में आंशिक तौर पर खोला गया है। वहीं, पंजाब के संगरूर में इंटरनेट बहाल हो गया है। जानकारी के

अनुसार, कुंडली-सिंधु बॉर्डर पर नेशनल हाईवे-44 की सर्विस लाइन को दिल्ली पुलिस ने वाहनों के लिए खोला है। नेशनल हाईवे 40 पर कुंडली-सिंधु बॉर्डर पर भारी बैरिकेडिंग की गई थी। अब दिल्ली पुलिस ने नेशनल हाईवे-44 पर सर्विस लैन को भी खोला है। सर्विस लाइन खुलने पर स्थानीय लोगो ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पहले दिल्ली जाने के लिए कई घंटे लग जाते थे, लेकिन राहत मिल गई है। उधर कुरुक्षेत्र जिले में नेशनल हाईवे-44 पर दिल्ली से अंबाला जाने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। यहां जीटी रोड पर एक तरफ का ट्रैफिक यात्रियों के लिए खोला गया। शाहाबाद-मारकंडा में प्रशासन ने बैरिकेड्स लगाए थे, जिन्हें हटाया गया है। यह रास्ता दिल्ली से अंबाला जाने वाले यात्रियों के लिए सुलभ होगा। हालांकि अंबाला से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर लगे अवरोध अभी वैसे ही है। अभी रास्ता आधा ही खोला खोला गया है। छोटा मारकंडा पुल से बैरिकेडिंग और पत्थर हटाए गए हैं। जलेबी पुल से होते हुए अब वाहन निकाले जा रहे हैं।

हरियाणा विधानसभा में इनेलो नेता की हत्या पर हंगामाःकांग्रेस बोली- यूपी-बिहार जैसे हालात बनाए; गृहमंत्री विज बोले- सीबीआई जांच की मंजूरी देता हूं

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के 5वें दिन की कार्यवाही जारी है। सदन की कार्यवाही की शुरुआत में पूर्व मनोहर लाल खट्टर ने पूर्व विधायक और INLD के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी की मौत पर शोक प्रकट किया। इस दौरान सदन में सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने नफे सिंह राठी की हत्या को लेकर सदन में काम रोको प्रस्ताव लाने का ऐलान किया। इस पर स्पीकर ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। सदन में नफे सिंह हत्याकांड पर 2 घंटे चर्चा के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधानसभा में हाईकोर्ट के जज की निगरानी में CBI जांच की मांग की। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि इससे कम कांग्रेस को कोई जांच मंजूर नहीं है। इस दौरान पूर्व CM भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सत्ता पक्ष के विधायकों को भी लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि इतने गंभीर मामले पर सत्ता पक्ष के विधायक चुप क्यों हैं? सत्ताधारी विधायक क्यों नहीं कानून व्यवस्था के मामले में मुंह खोलते? इसके बाद इनेलो प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी हत्याकांड मामले में हरियाणा विधानसभा

सभा में हंगामा होने लगा। सदन में चर्चा के बाद जवाब दे रहे गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि यदि विपक्ष को इससे ही तसल्ली मिलती है तो, राठी मर्डर मामले की सीबीआई से जांच करवाने की अनुमति देता हूं।

विधायक ईश्वर ने बजट को सराहनीय बताया-विधायसक ईश्वर सिंह ने कहा जो बजट पेश किया गया है, वह सराहनीय है। उसको दुगना किया गया एक बहुत अच्छा कदम है। जिले के अंदर टैब दिए गए हैं। आज कोई ऐसा गांव नहीं जिसके अंदर 2 किलोमीटर 3 किलोमीटर में स्कूल न हो। स्कूलों तक जाने के लिए बसों सबको सुविधा कर दी गई है। मेरे हलके के अंदर कोई गांव ऐसा नहीं जिसमें 20 लाख और 15 लाख के बीच में पैसा ना आया हो हरियाणा सरकार ने एससी और एसटी के ऊपर जो ध्यान जितना दिया है। आज देश के अंदर कोई ऐसी जगह नहीं के जहां 5 एकड़ के अंदर गुरु रविदास का मंदिर की घोषणा की गई हो। हरियाणा सरकार ने वह भी कुरुक्षेत्र में तख्त रोड पर ।।स्कूल की जमीन अलॉट की है।

सिहाग ने एमएसपी की मांग उठाई-कांग्रेस विधायक अमित सिहाग ने चर्चा के दौरान कहा कि एक कानून लाइए और अन्नदाताओं को एमएसपी की गारंटी दीजिए। केवल ब्याज माफ करने का काम ना कीजिए। पूरा-पूरा ऋण माफ करने का काम कीजिए। आज महिलाओं के लिए सुरक्षा का एक कवच दीजिए और जो गरीब परिवार है। उनको एक सम्मानजनक नौकरी का लाभ देने का कम कीजिए। आज आपने एक मकान बनाकर रखा है। कौशल रोजगार निगम से एक महीने उसकी नौकरी मिलती है और अगले महीने उसकी आय अगर परिवार पहचान पत्र में ऊपर चली जाती है तो उसे नौकरी से निकाल दिया जाता है इस तरह का माहौल इस तरह का मजाक गरीबों के साथ कर रहे हैं। यह बजट के पन्ने तो बदलते रहेंगे। मैं तभी कोई आंकड़ा नहीं लिया बहुत बढ़िया है। सरकार को जमीनी स्तर पर जाकर आपको रवायत को बदलने की आवश्यकता है। धरातल पर जाकर आपको असलियत बदलने की आवश्यकता है।

वर्तमान बजट एक दिशाहीन बजट है। बजट में सभी वर्गों की अनदेखी हुई है। देश के केंद्रीय बजट में भी कृषि अनुदान को कम किया गया है। सरकार ने बजट में जो आंकड़े दिए हैं उनमें एकरूपता नहीं है। राजस्व के आंकड़ों में भी पूरा है हेरफेर किया गया है। केंद्र सरकार टैक्स बंटवारे में भी हरियाणा के साथ भेदभाव कर रहा है। हमें आज 42 प्रतिशत के आसपास केंद्र से टैक्स का हिस्सा मिलनी चाहिए लेकिन घटकर 30 प्रतिशत मिल रहा है।

वायनाड से चुनाव लड़ना नहीं चाहते राहुल गांधी!

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी किस सीट से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर संशय है। कांग्रेस ऐसी सुरक्षित सीट तलाश रही है जहां से उनकी जीत सुनिश्चित की जा सके। तमाम प्रयासों के बाद भी सुरक्षित सीट नहीं मिल पा रही है। जहां तक वायनाड का सवाल है तो सूत्र बता रहे है कि राहुल गांधी इस बार वायनाड से चुनाव नहीं लड़ेंगे। हो सकता है कि इस बार उन्हे दो सीटों पर उतारा जाए। एक कर्नाटक या तेलंगाना से और दूसरी उत्तर प्रदेश से कोई सीट हो सकती है। यह ताजा घटनाक्रम केरल में सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत के बीच आया है, जहां इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग कांग्रेस पर इस बार 2 के बजाय 3 सीटें देने का दबाव बना रही है। आईयूएमएल वायनाड से चुनाव लड़ना चाहती है, क्योंकि उसके अधिकांश मतदाता मुस्लिम समुदाय से हैं।

जालंधर में 2 पक्षों में खूनी संघर्ष, कोर्ट से लौट रहे युवक को लगी गोली

जालंधर। पंजाब के जालंधर में स्थित कस्बा फिल्लौर में सोमवार को सुबह दो पक्षों में खून टकराव हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गोलियां भी चलाई। घटना में मोहल्ला मलाहा के रहने वाले संजू मसीह को गोली लगी है। जिसे फिल्लौर के सिविल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया था। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए लुधियाना के डीएमसी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना फिल्लौर की पुलिस जांच के लिए मौके पर पहुंच गई थी। प्राथमिक जांच में पता चला है कि फिल्लौर के लोकल विजय और शिवा गैंग के बीच पुरानी रंजिश के चलते ये हमला किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही संजू के परिजन तुरंत इकट्ठा होने शुरू हो गए थे। इस दौरान थाना फिल्लौर और सिविल अस्पताल फिल्लौर में जमकर हंगामा भी हुआ। विजय मसीह ने बताया कि संजू उनकी मौसी का बेटा था। फिल्लौर कोर्ट से तरीख कर वह घर लौट रहा था। इस दौरान जब वह मोहल्ला मीटा खूह के पास पहुंचा तो उस पर हमला कर दिया गया। जब पीड़ित ने विरोध किया तो उस पर आरोपी ने गोली चला दी। जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। जिसके बाद पीड़ित को तुरंत जख्मी हुए संजू को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। गोली चलाने का आरोपी शिवा पर लगाया गया है। वहीं, इसे लेकर शिवा पक्ष ने कहा- विजय मसीह ने आज यानी सोमवार को उस पर हमला किया था। विजय के साथ उसके अन्य साथी भी थे। इस दौरान विजय को बुरी तरह से पीटा गया। वहीं, शिवा पक्ष ने कहा- हमने गोली नहीं चलाई, बल्कि संजू पर गोली उसी के साथी ने चलाई थी। अब पुलिस मामले की जांच के बाद अगली कार्रवाई करेगी।

भूपेश बोले-केंद्र में कांग्रेस आई तो अग्निवीर योजना बंद होगी, लोकसभा चुनाव से पहले बड़ी घोषणा; X पर पूर्व सीएम ने कहा-फिर शुरू होगी पक्की भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि केंद्र में इस बार कांग्रेस की सरकार बनी तो सेना की अग्निवीर योजना को बंद किया जाएगा। फिर से पक्की भर्ती शुरू की जाएगी। बघेल ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर ये घोषणा की है। अग्निवीर योजना शुरू होने के बाद से ही कांग्रेस लगातार इसका विरोध करती आई है। राहुल गांधी तो न्याय यात्रा में भी इस मुद्दे को उठा रहे हैं। कांग्रेस के साथ-साथ ऐसे कई युवा भी हैं, जो इस योजना को ठीक नहीं मानते हैं।

राहुल गांधी भी योजना के विरोधी-कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भी अपनी न्याय यात्रा के जरिए अग्निवीर योजना के खिलाफ बोल रहे हैं। इस दौरान वे युवाओं से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले ही अपने X अकाउंट पर लिखा था

कि सरकार ने अग्निवीर स्कीम लॉन्च कर अनगिनत युवाओं के सपने नष्ट कर दिए हैं। राहुल ने सोशल मीडिया पर एक ग्रुप फोटो भी शेयर किया था, जिसमें वे कुछ युवाओं के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट में राहुल ने लिखा कि ये सभी युवा बिहार के चंपारण से आए हैं। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने अपनी बायोग्राफी में अग्निवीर स्कीम को लेकर दावा कियाकि इस स्कीम के ऐलान ने तीनों सेनाओं (आर्मी, नेवी और एयरफोर्स) को चौंका दिया था। जनरल मनोज मुकुंद नरवणे 31 दिसंबर 2019 से 30 अप्रैल 2022 तक सेना प्रमुख थे।

अग्निवीरों को लेकर क्या कहती है सेना-रायपुर के आर्मी हेडक्वॉर्टर में लेफ्टिनेंट जनरल एमके दास ने बताया कि सेना में इस योजना के तहत बेस्ट कैंडिडेट मिलेंगे। 75 प्रतिशत युवा जो सर्विस से बाहर जाएंगे, वो स्किल्ड होंगे। देश की दूसरी फोर्सेस में उन्हें प्राथमिकता मिलेगी, वे अपनी पढ़ाई आगे कर सकते हैं।

सेना से बेस्ट ट्रेंड युवाओं को रोजगार के कई अवसर मिलेंगे। चार साल बाद जो अग्निवीर से बाहर होंगे, उन्हें सेवा निधि पैकेज के तहत टैक्स फ्री करीब 12 लाख रुपए एकमुश्त मिलेंगे। इससे वे अपने रोजगार की दिशा में काम कर सकते हैं। योजना के तहत इंडियन आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में युवाओं की भर्ती चार साल के लिए होगी और उन्हें 'अग्निवीर' कहा जाएगा। आर्मी में सैनिक (जवान), नेवी में नाविक और एयरफोर्स में एयरमैन की भर्तियां इस योजना के तहत होंगी। 4 साल बाद 75 फीसदी सैनिकों को घर भेज दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)